बच्चों को सूरक्षित रखने के लिए माता पिता के लिए मार्गदर्शन

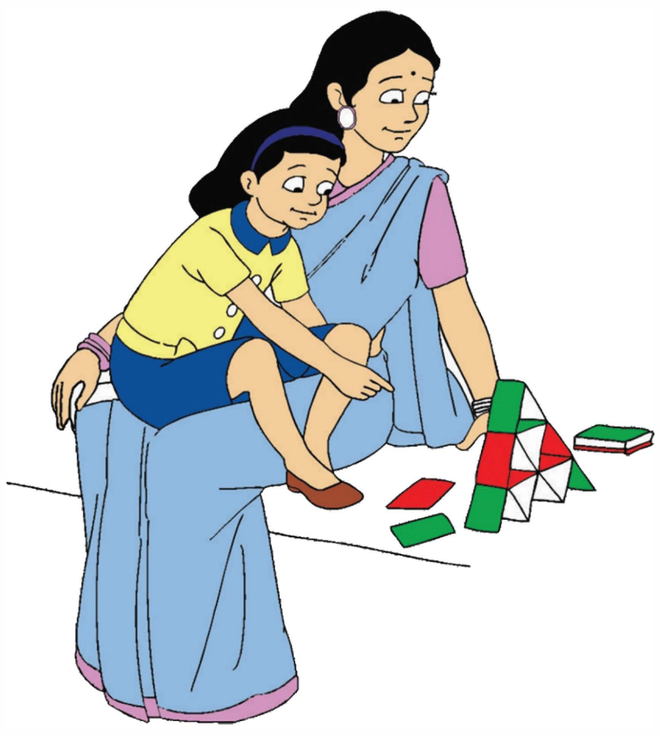

अपने बच्चों से अक्सर बात करें । उनके होमवर्क इत्यादी के अलवा उनके साथ ऐसी गतिविधियों में भी शामिल हों जिससे आप दोनों को आनंद मिलता है ।

बात करना केवल बोलना नहीं सुनना भी है । उनकी बातों को ध्यान से सुने और बच्चों की जिंदगी और दिनचर्या के बारे में जाने ।

अपने बच्चों के विचारों, कल्पनाओं और उपलब्धियों का समर्थन करें, उनहें प्रोत्साहन दें, और उनकी प्रशंशा करें ।
हतोत्साहित करने वाले वचनों से बचे ।

अनुशासन के मौखिक न की भौतिक तरीके सीखें । बच्चों के किसी कार्य से अगर गुस्सा आया हो तब उनसे बात न करें, शात होकर ही उनसे बात करें ।

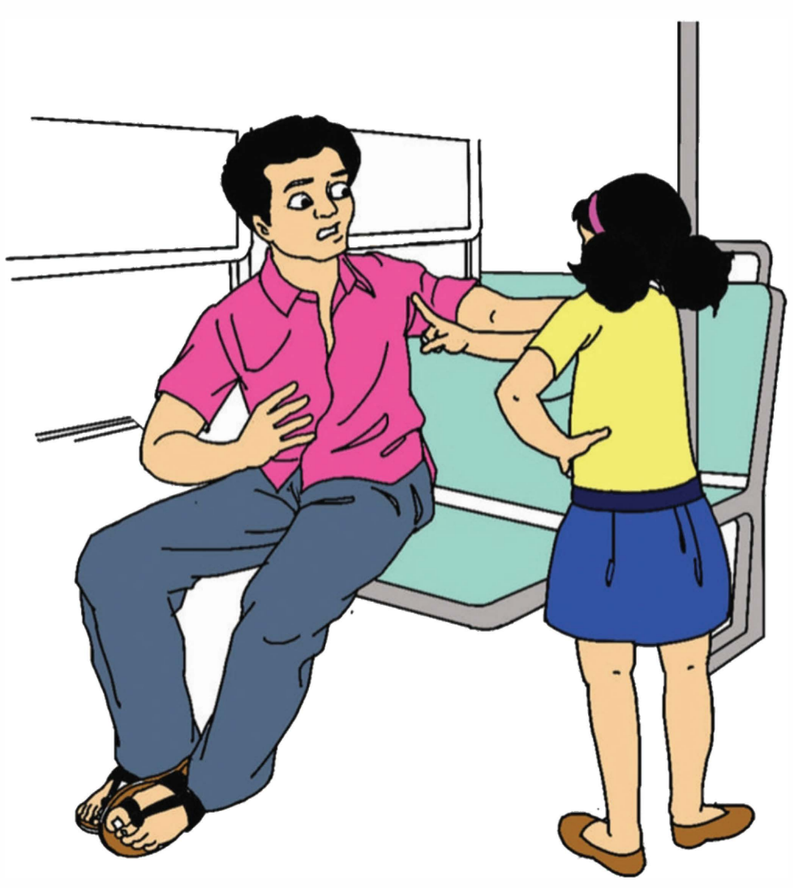

बच्चों को बताएं के उन्हें अपने बड़ो से भी, ना कहेने का अधिकार है। खास कर के जब उन्हें गलत या असुरक्षित महसूस हो रहा हो ।

बच्चों को कोई भी असुरक्षित या डरनेवाले अनुभवों को बताने के लिए पुरोत्साहित करें । उन्हें यह समझाएं की वह आपसे, या किसी भी बड़े को बता सकते हैं या मदद मांग सकते हैं ।

अपने बच्चो के साथ एक विश्धसनीय और खुले विचार के रिश्ते का निर्माण करे ।

बच्चों को यह सदा महसूस होने दें की आप उनसे प्यार करते हैं ।

दूरध्वनी क्र.: 1800 267 2444

वेबसाईटः www.arpan.org.in

ऑनलाईन कोर्सेसः www.arpanelearn.com

arpan
Towards Freedom from Child Sexual Abuse